नईदुनिया

संतों का सान्निध्य समाज को देता है सही दिशा : डॉ. यादव

विधानसभा में प्रवचन देंगे आचार्य समय सागर महाराज

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संतों का सान्निध्य और उनका आशीर्वाद समाज को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने घोषणा की कि मध्य प्रदेश सरकार एक दिवसीय विधानसभा सत्र आयोजित कर आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज को प्रवचन के लिए आमंत्रित करेगी, ताकि प्रदेश के सभी विधायक, जनप्रतिनिधि और अधिकारी उनके आध्यात्मिक मार्गदर्शन का लाभ प्राप्त कर सकें।

मुख्यमंत्री रविवार को भोपाल के महाराणा प्रताप नगर स्थित विद्योदय तीर्थ में आयोजित आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज के चातुर्मास-2026 के कलश स्थापना समारोह में शामिल हुए। उन्होंने आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर आशीर्वाद लिया और कहा कि भारतीय संस्कृति 'जियो और जीने दो' तथा अहिंसा के सिद्धांत पर आधारित है। उन्होंने गौ संरक्षण, परोपकार और भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए पुरुषार्थ, दया और सेवा का मार्ग अपनाना आवश्यक है। आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि अहिंसा किसी एक धर्म की नहीं, बल्कि समस्त मानवता की धरोहर है। जिनके मन में दया, करुणा, परोपकार और दूसरों के कल्याण की भावना होती है, वही सच्चे अर्थों में अहिंसा के उपासक हैं। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रिहायशी क्षेत्रों के व्यापारियों को राहत

मुख्यमंत्री की बैठक में उच्च स्तरीय समिति बनाने का निर्णय, रिपोर्ट तक सख्त कार्रवाई टली

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी भोपाल के अरेरा कॉलोनी, रोहित नगर, बावड़ियाकलां सहित अन्य रिहायशी क्षेत्रों में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के विरुद्ध चल रही कार्रवाई के बीच व्यापारियों को फिलहाल बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में रविवार शाम मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में पूरे मामले की समीक्षा के लिए राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। समिति की रिपोर्ट आने तक कठोर कार्रवाई नहीं किए जाने के संकेत दिए गए हैं।

बैठक में मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत देश की विभिन्न राजधानियों में रिहायशी क्षेत्रों में संचालित व्यावसायिक गतिविधियों की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि भोपाल के व्यापारियों में इस कार्रवाई को लेकर असमंजस और चिंता की स्थिति बनी हुई है, इसलिए पूरे मामले का विधिक और प्रशासनिक परीक्षण आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का विस्तृत अध्ययन कर वस्तुस्थिति के आधार पर रिपोर्ट तैयार की जाए। समिति की अनुशंसाओं के बाद ही आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा। बैठक के बाद संकेत मिले हैं कि नगर निगम द्वारा हाल ही में बंद कराए गए व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सोमवार से दोबारा खोलने की अनुमति मिल सकती है। इससे रिहायशी क्षेत्रों में व्यवसाय कर रहे हजारों दुकानदारों को तत्काल राहत मिलने की संभावना है।

इससे पहले नगर निगम ने शनिवार को 19 प्रतिष्ठानों को सील किया था, जबकि 65 प्रतिष्ठान कार्रवाई से पहले ही बंद कर दिए गए थे। कार्रवाई के विरोध में रविवार को अरेरा कॉलोनी, रोहित नगर, बावड़ियाकलां, गौतम नगर, शाहपुरा, गुलमोहर और अन्य क्षेत्रों के रहवासी सड़कों पर उतर आए। विभिन्न रहवासी संगठनों ने रैली और पैदल मार्च निकालकर नगर निगम की कार्रवाई पर सवाल उठाए तथा आरोप लगाया कि कई स्थानों पर केवल औपचारिक कार्रवाई की गई और अनेक व्यावसायिक प्रतिष्ठान पुनः संचालित होने लगे।

रहवासी संगठनों ने आरोप लगाया कि अवैध व्यावसायिक गतिविधियों के कारण यातायात, सुरक्षा और प्रदूषण जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने इस मामले में प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, शिकायतकर्ताओं ने भी सर्वोच्च न्यायालय में आगामी सुनवाई के दौरान पूरे मामले से संबंधित तथ्यों को प्रस्तुत करने की बात कही है।

गौतम नगर में आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के विरोध में जनआक्रोश रैली

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी के वार्ड क्रमांक 58 स्थित गौतम नगर रहवासी संघ के नेतृत्व में रविवार को आवासीय क्षेत्रों में बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों के विरोध में शांतिपूर्ण जनजागरूकता रैली निकाली गई। रैली महाराष्ट्र मंडल, गौतम नगर से स्वामी विवेकानंद चौक तक आयोजित हुई, जिसमें गौतम नगर के साथ रचना नगर, अरेरा कॉलोनी और शाहपुरा सहित आठ रहवासी समितियों के नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। रहवासियों ने हाथों में तख्तियां लेकर आवासीय क्षेत्रों की मूल पहचान बनाए रखने तथा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों और लागू कानूनों का सख्ती से पालन कराने की मांग उठाई। उनका कहना था कि अनियंत्रित व्यावसायिक गतिविधियों से यातायात, पार्किंग, ध्वनि प्रदूषण, सुरक्षा और बच्चों व बुजुर्गों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। रहवासी संघ ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति या व्यापारी के खिलाफ नहीं, बल्कि कानून के पालन और नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। संघ ने प्रशासन से आवासीय क्षेत्रों में नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन और आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

मुख्यमंत्री ने कॉमनवेल्थ पदक विजेताओं को दी बधाई

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः *मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनकी उपलब्धियों को देश के लिए गौरवपूर्ण बताया। उन्होंने पुरुष 80 किलोग्राम मुक्केबाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले अंकुश को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने पुरुष 90 प्लस किलोग्राम मुक्केबाजी में रजत पदक जीतने वाले नरेंद्र बेरवाल तथा पुरुष 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतने वाले गुलवीर सिंह को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत का मान बढ़ाया है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।*

बेस्ट प्रैक्टिसेज इन मेडिसिन : आधुनिक उपचार पद्धतियों पर मंथन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलन 'बेस्ट प्रैक्टिसेज इन मेडिसिन-2026' का शुभारंभ हुआ। सम्मेलन में देशभर से लगभग 500 चिकित्सकों ने भाग लेकर जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और आधुनिक उपचार पद्धतियों पर विचार-विमर्श किया। उद्घाटन सत्र में जर्नल ऑफ एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया के एडिटर-इन-चीफ डॉ. ज्योतिर्मय पाल ने कहा कि मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी बीमारियों से बचाव के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना आवश्यक है। उन्होंने सभी लोगों को सुलभ और किफायती चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। सम्मेलन में डॉ. राकेश सहाय ने मोटापे के उपचार में नई एंटी-ओबेसिटी दवाओं और जीवनशैली में बदलाव की भूमिका बताई, जबकि डॉ. पी.सी. मनोरिया ने हृदय रोगों की रोकथाम के लिए कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. विनोद मित्तल ने मधुमेह प्रबंधन में आधुनिक इंसुलिन थेरेपी की उपयोगिता पर जानकारी दी। आयोजन सचिव डॉ. पीयूष मनोरिया ने फैटी लिवर के बढ़ते खतरे और उसके आधुनिक उपचार पर व्याख्यान दिया। सम्मेलन में विशेषज्ञों ने समय पर रोग पहचान, प्रभावी उपचार और रोकथाम के उपायों पर भी विस्तृत चर्चा की।

सत्ता के गलियारे...

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

• घर बैठे माननीयों की बढ़ी पूछ-परख...

दतिया के चुनावी समीकरण में कुछ ऐसे-ऐसे माननीयों को एक बार फिर मुख्यधारा में आने का मौका मिल गया, जो सक्रिय राजनीति से लगभग दूर हो चुके थे। लेकिन जातिगत समीकरण और राजनीतिक दलों की प्रतिष्ठा की लड़ाई ने घर बैठे कई माननीयों को फिर सक्रिय कर दिया है।

• करना था कुछ और, हो गया कुछ और...

आग लगने पर कुआं खोदने की आदत भारी पड़ गई। एक जिले के नगर निगम क्षेत्र में पहली बारिश में ही साफ-सफाई की कलई खुल गई। निर्वाचित पदाधिकारियों ने नौकरशाहों को सबके सामने फटकार लगाई, लेकिन दांव उल्टा पड़ गया। मामला इसलिए सुर्खियों में है कि नौकरशाह का जवाब मध्यप्रदेश सरकार की कथनी और करनी से बहुत इतर नजर आ रहा है।

• कटौती से शवयात्रा तक...

मध्यप्रदेश भर में बिजली कटौती से आमजन परेशान हैं। किसान, व्यापारी, छात्र सहित हर वर्ग बिजली कटौती से जूझ रहा है। विरोध का एक अजीब तरीका भी चर्चा का विषय बना। गांव वालों ने शवयात्रा निकाली और रो-रोकर मंत्री जी को याद किया।

• आखिर दर्द छलक ही पड़ा...

मध्यप्रदेश के एक कद्दावर माननीय, जिनकी प्रदेश ही नहीं, देशभर में अच्छी धाक है, अपने ही प्रदेश और अपनी ही सरकार में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। पहले उन्होंने दर्द बयां करने का एक तरीका अपनाया था, लेकिन इस बार उन्होंने बिल्कुल अलग अंदाज में अपनी पीड़ा जाहिर की।

• पर्दे के पीछे कौन, यह पता करने ...

पिछले दिनों मध्यप्रदेश सरकार के कृषि विभाग से नाखुश किसानों ने बड़ा आंदोलन किया। अचानक भोपाल को बंधक बनाने और सरकार की छीछालेदर कराने में विपक्ष का हाथ नहीं, बल्कि अपनों की ही साजिश नजर आ रही है। पूरे आंदोलन में एक जिले से सबसे ज्यादा किसानों की सक्रियता ने पर्दे के पीछे अपनों की भूमिका की चर्चाओं को हवा दे दी है।

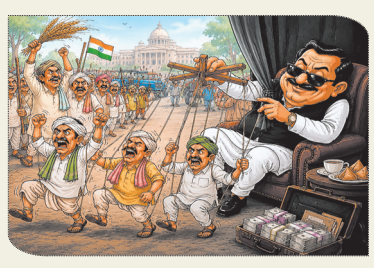

• डबल इंजन की सरकार में ...

पिछले दिनों मध्यप्रदेश में किसानों ने बड़ा आंदोलन किया। पर्दे के पीछे सक्रिय कुछ माननीयों का कहना है कि डबल इंजन की सरकार के दोनों इंजनों के बीच तालमेल की कमी के कारण ऐसी स्थिति बनी। मध्यप्रदेश सरकार के कृषि मंत्री कुछ और कह रहे हैं, जबकि केंद्र के कृषि मंत्री का रुख कुछ और है।

सांदीपनि विद्यालय से शिक्षा के नए युग की शुरुआत, बैरसिया मार्ग होगा फोरलेन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैरसिया में लगभग 35 एकड़ क्षेत्र में 50.74 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित शासकीय सांदीपनि ठाकुर लाल सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह विद्यालय केवल एक नया भवन नहीं, बल्कि क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नई शुरुआत है। उन्होंने कहा कि ज्ञान, संस्कार और कौशल से संपन्न नई पीढ़ी ही वर्ष 2047 के विकसित भारत का नेतृत्व करेगी। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से शिक्षा को केवल नौकरी का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रसेवा का आधार मानने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालय आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और गुरु-शिष्य परंपरा को भी आगे बढ़ाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया तथा बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बैरसिया क्षेत्र के विकास के लिए भोपाल-बैरसिया मार्ग को फोरलेन बनाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि इससे राजधानी से क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, आवागमन सुगम बनेगा और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सांदीपनि विद्यालय आने वाले वर्षों में क्षेत्र की प्रतिभाओं को नई पहचान देगा।

84 महादेव दर्शन यात्रा से धार्मिक पर्यटन को मिलेगा नया विस्तार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः *मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में श्री 84 महादेव दर्शन यात्रा-2026 का शुभारंभ करते हुए कहा कि 84 महादेव श्रद्धा, साधना और सनातन संस्कृति के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने और आत्मिक जागरण का महत्वपूर्ण माध्यम है। मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए यात्रा को समाज में समरसता, सेवा और आध्यात्मिक चेतना का संदेश देने वाला बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान शिव करुणा, समरसता और लोककल्याण के प्रतीक हैं तथा 84 महादेवों की परिक्रमा उज्जैन की प्राचीन और पवित्र परंपरा है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, तीर्थ और परंपराओं से जोड़ने का सशक्त प्रयास है। यात्रा में शामिल महिलाओं को लाल चुनरी, साड़ी, रुद्राक्ष की माला और बिल्वपत्र का पौधा निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है, जबकि भजन मंडली पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक यात्राएं आस्था के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देती हैं। इससे होटल, परिवहन, हस्तशिल्प और छोटे व्यापारियों को लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार उज्जैन को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए तीर्थ स्थलों पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा रही है तथा श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम दर्शन सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।*

बदलाव *आधुनिक खेती से बदल रही किसानों की तस्वीर...*

रूपाखेड़ा बना मध्यप्रदेश का 'मिनी हॉलैंड'

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः धार जिले के बदनावर विकासखंड का ग्राम रूपाखेड़ा आधुनिक उद्यानिकी और संरक्षित खेती का सफल मॉडल बनकर उभरा है। कभी पारंपरिक खेती पर निर्भर यह गांव आज पॉलीहाउस और शेडनेट हाउस में विदेशी फूलों और उन्नत सब्जियों की खेती के कारण 'मध्यप्रदेश का मिनी हॉलैंड' कहलाने लगा है। यहां गुलाब, जरबेरा, लिलियम, जिप्सोफिला, ब्लू डेजी और व्हाइट डेजी जैसे उच्च गुणवत्ता वाले फूलों का उत्पादन किया जा रहा है। गांव में 44 पॉलीहाउस लगभग 1.44 लाख वर्गमीटर क्षेत्र में संचालित हैं, जबकि 13 शेडनेट हाउस में उन्नत किस्म की सब्जियां उगाई जा रही हैं। मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर योजना के तहत किसानों को पॉलीहाउस और शेडनेट हाउस निर्माण के लिए अनुदान मिलने से आधुनिक तकनीक अपनाने में मदद मिली है। संरक्षित खेती से उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार हुआ है। पानी की बचत, कीट नियंत्रण और बेहतर विपणन व्यवस्था ने किसानों की आय बढ़ाई है। रूपाखेड़ा अब आधुनिक खेती के माध्यम से ग्रामीण समृद्धि और रोजगार का प्रेरक उदाहरण बनकर प्रदेश के अन्य किसानों को नई दिशा दे रहा है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com